



::प्रधानआयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क::
O/O THE PRINCIPAL COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan
रेस कोर्स रिंग रोड / Race Course Ring Road
राजकोट / Rajkot - 360 001



Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com

रजिस्टर्ड डाक ए.डी.द्वारा :-

क	अपील / फाइल नम्बर / Appeal / File No.	मूल आदेश नं / O.I.O. No.	दिनांक / Date
	V2/26 /GDM/2018-19	30/JC/2017-18	28-03-2018

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

KCH-EXCUS-000-APP-066-2019

आदेश का दिनांक / Date of Order:	18.06.2019	जारी करने की तारीख / Date of issue:	19.06.2019
------------------------------------	------------	--	------------

श्री कुमार संतोष, प्रधान आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /
Passed by Shri Kumar Santosh, Principal Commissioner (Appeals), Rajkot

ग अपर आयुक्त / संयुक्त आयुक्त / उपायुक्त / सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क / मेवाकर / वस्तु एवं सेवाकर,
राजकोट / जामनगर / गांधीधाम। द्वारा उपरलिखित जारी मूल आदेश से मूजित: /
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise/ST / GST,
Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता / Name & Address of the Appellant & Respondent :-

M/s Indian Farmer Fertilizer Co-operative Ltd. (IFFCO), Finance & Accounts Dept., Old Kandla, Dist.Kutch-370201.

इस आदेश (अपील) से व्याधत कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीक म उपयुक्त प्राधिकारों / प्राधिकरण क समक्ष अपील दायर कर सकता है।/
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सामा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलार्थी न्यायाधिकरण क प्रांत अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 का धारा 35B क अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है।/
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण मूल्योंकन से सम्बन्धित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं मेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर.के. पुरम, नई दिल्ली, का की जानी चाहिए। /
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

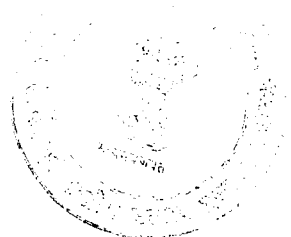
(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताए गए अपीलों के अलावा शेष सभी अपीलों में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (मिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, द्वितीय तल, बहुमाली भवन असावा अहमदाबाद- 3८००१६ का की जानी चाहिए। /
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित क्रिग गये प्रपत्र EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की मांग, व्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपए, 5,000/- रुपए अथवा 10,000/- रुपए का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थान आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/-, Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demanded/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकेगी एवं उसके साथ जिन आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की मांग, व्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपए, 5,000/- रुपए अथवा 10,000/- रुपए का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थान आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-



- (i) विन अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्ज की गयी अपील, सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-7 में की जा सकती है एवं उमक साथ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और आयुक्त द्वारा सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सेवाकर, को अपील न्यायाधिकरण को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in For ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.
- (ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण (मेन्ट्र) के प्रति अपीलों के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपील न्यायाधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जमाना विवादित है, या जमाना, जब केवल जमाना विवादित है, का भुगतान किया जाए, वशत कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपये से अधिक न हो।
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "मांग किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है
- (i) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
 - (ii) सेनबेट जमा की ली गई गलत राशि
 - (iii) सेनबेट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम
- वशत कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम 2014 के आरंभ से पूर्व किसी अपील न्यायाधिकरण के समक्ष विचाराधीन स्थगन अर्जी एवं अपील को लागू नहीं होगा। / For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores,
- Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :
- (i) amount determined under Section 11 D;
 - (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
 - (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- (C) भारत सरकार कोपनरीक्षण आवेदन :
Revision application to Government of India:
इस आदेश की पुनरीक्षण आदेशिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथमपरंतुक के अंतर्गत अवर मन्त्रि, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन ईकाई, वित्त मंत्रालय, राजन्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संमद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। / A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:
- (i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने में भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह पारगमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse
- (ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छुट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.
- (iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.
- (iv) मुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (सं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तारीख अथवा समयावधि पर या बाद में पारित किए गए हैं। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.
- (v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां प्रपत्र संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संप्रेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के साध्य के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.
- (vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए।
जहां संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रूप्य 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रूप्ये 1000 -/ का भुगतान किया जाए।
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.
- (D) यदि इन आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपर्युक्त ढंग में किया जाना चाहिए। इस तथ्य के होते हुए भी की लिखा पढी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपील न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.
- (E) यथासंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-I के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकिट लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.
- (F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबन्धित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.
- (G) उच्च अपील न्यायाधिकरण को अपील दाखिल करने में संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in.

:: ORDER IN APPEAL ::

M/s. Indian Farmer Fertilizer Co-operative Limited, Old Kandla, Kandla Port, District – Kutch - 370201, Gujarat (hereinafter referred to as 'appellant') filed present appeal against Order-in-Original No. 30/JC/ 2017-18 dated 28.3.2018 (hereinafter referred to as "impugned order") passed by the Joint Commissioner, Central GST, Gandhidham (Kutch) (hereinafter referred to as "the lower adjudicating authority"): -

2. . The brief facts of the case are that the appellant manufactured and cleared Zinc Sulphate Monohydrate (in short ZSM) during the period from March, 2016 to May, 2016, but the clearances were not shown in ER-1 returns and they also did not pay central excise duty on the said product though department contended that central excise duty @ 6% was made applicable vide Notification No. 12/2012-CE dated 17.3.2012, as amended vide Notification No. 12/2016-CE dated 1.3.2016. Show Cause Notice No. V.31/AR-I/Div.GIM/Jt. Commr. /1/2017-18 dated 6.4.2017 was issued to the appellant demanding central excise duty of Rs. 1,01,85,655/- under Section 11A of the Central Excise Act, 1944 (hereinafter referred to as "the Act") along with interest under Section 11AA of the Act and to impose penalty under Rule 25 of Central Excise Rules, 2002 read with Section 11AC of the Act. The lower adjudicating authority vide the impugned order confirmed demand of central excise duty of Rs. 60,34,255/- for the period from 6.4.2016 to 31.5.2016 in terms of CBEC Circular No. 1022/10/2016-CX. dated 6.4.2016 along with interest and imposed penalty of Rs. 60,34,255/- under Section 11AC of the Act read with Rule 25 of Central Excise Rules, 2002.

3. Being aggrieved with the impugned order, the appellant preferred this appeal, *inter-alia*, on the following grounds: -

(i) The impugned order has travelled beyond the scope of Show Cause Notice inasmuch as there is no allegation in the SCN that Zinc Sulphate Monohydrate manufactured by the appellant is not agricultural grade. There is no averment in SCN that Sl.No. 103 of Notification No. 12/2012-CE dated 17.3.2012 is available to Zinc Sulphate Heptahydrate and not to Zinc



[Handwritten signature]

Sulphate Monohydrate as held by the lower adjudicating authority. The SCN never proposed to deny benefit of Sl.No. 103 of Notification No. 12/2012-CE dated 17.3.2012 to Zinc Sulphate Monohydrate on the ground that exemption is available only to Zinc Sulphate Heptahydrate. Therefore, the impugned order is not tenable in the eyes of law and liable to be quashed.

(ii) The distinction made by the lower adjudicating authority between Zinc Sulphate Monohydrate and Zinc Sulphate Heptahydrate is beyond the scope of SCN. The appellant was never put to notice about such distinction. The appellant was also not put to notice that benefit of Sl.No. 103 of Notification No. 12/2012-CE dated 17.3.2012 is available to Zinc Sulphate Heptahydrate and not to Zinc Sulphate Monohydrate. The criteria devised by the lower adjudicating authority to distinguish between Zinc Sulphate Monohydrate and Zinc Sulphate Heptahydrate is not prescribed in Notification No. 12/2012-CE dated 17.3.2012 and demand was confirmed without authority of law.

(iii) Without prejudice, the appellant submitted that Zinc Sulphate Monohydrate manufactured by the appellant is of agriculture grade and is used as Micronutrient and hence, the same is covered by Sl.No. 103 of Notification No. 12/2012-CE dated 17.3.2012 and hence, the impugned order is legally not sustainable.

(iv) The demand of central excise duty is not tenable and hence, neither central excise duty nor interest under Section 11AA of the Act is payable by them and penalty imposed under Section 11AC of the Act read with Rule 25 of Central Excise Rules, 2002 is not required.

4. Personal hearing in the matter was attended by Shri Vikas Mehta, Consultant, who reiterated the grounds of appeal and stated that they manufacture Agriculture Grade Zinc Sulphate ordinarily used as Micronutrients and hence, they are specifically covered under Sl.No. 103 of Notification No. 12/2012-CE; that Sl.No. 109A talks of many manufactured products and many products are covered and hence, it is very general; that specific entry should be allowed over general description; that the grounds



stated in the impugned order to deny benefit of exemption have not been alleged/stated in SCN and hence, the impugned order has travelled beyond the scope of SCN, which is neither legal nor proper; that their appeal should be allowed in view of above and the fact that the product in question is agricultural grade and hence, exempted.

4.1 In additional written submissions, it is submitted that as per SCN (para 3, page 2) zinc content of goods manufactured by appellant is minimum 33%, however, the impugned order at Para 9.1 has found that Zinc Sulphate Monohydrate is having zinc content above 35%; that SCN did not cite any test report and hence, such findings cannot be delivered without citing any test report, that the impugned order has travelled beyond the scope of SCN also for the reason that there is no allegation that goods manufactured by appellant is not agriculture grade and only Zinc Sulphate Heptahydrate can be treated as agriculture grade; that SCN makes no reference to Zinc Sulphate Heptahydrate and no comparison is proposed in SCN; that the appellant submitted analysis report of Zinc Sulphate Monohydrate certifying that it is agriculture grade free flowing material conforming to IS: 15848:2009.

FINDINGS:

5. I find that the appellant has deposited 7.5% of demand confirmed vide Challan dated 26.5.2018 as stated by them in their Appeal Memorandum in compliance to Section 35F (4) of the Act.

6. I have carefully gone through the records of the appeal, the impugned order, the grounds of appeal and the submissions made by the appellant including during and after personal hearing. The issue to be decided in the present appeal is as to whether the impugned order confirming demand of central excise duty on Zinc Sulphate Monohydrate manufactured and cleared by appellant and imposing penalty is correct or not.

7. The appellant has strongly contended that the impugned order has travelled beyond the scope of Show Cause Notice since there is no allegation in the SCN that Zinc Sulphate Monohydrate manufactured by the appellant is not agricultural grade; that they manufacture Agriculture Grade

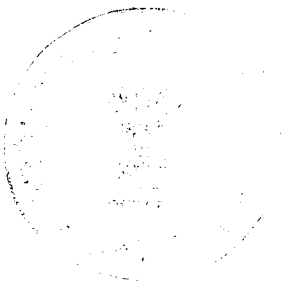


Zinc Sulphate ordinarily used as Micronutrients and hence, they are specifically covered under Sl.No. 103 of Notification No. 12/2012-CE whereas, the impugned order held that Zinc Sulphate Monohydrate manufactured by the appellant attracted concessional rate of central excise duty @ 6% under Sl.No. 109A of Notification No. 12/2012-CE dated 17.3.2012 as amended vide Notification No. 12/2016-CE dated 1.3.2016. I would like to re-produce Sl.No. 103 and Sl.No. 109A of Notification No. 12/2012-CE dated 1.3.2012, as amended, which read as under: -

TABLE

Sl. No.	Chapter or heading or sub-heading or tariff item of the First Schedule	Description of excisable goods	Rate	Condition No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
103	2833 29	Agricultural grade zinc sulphate ordinarily used as micronutrient	Nil	-
---	---	----	---	-
---	---	----	---	-
109A	28, 29 or 38	Micronutrients, which are covered under serial number 1(f) of Schedule 1, Part (A) of the Fertilizer Control Order, 1985 and are manufactured by the manufacturers which are registered under the Fertilizer Control Order, 1985	6%	-

7.1 Thus, Sl.No. 103 of the said Notification specifies nil rate of duty for goods described as Agricultural grade Zinc Sulphate ordinarily used as micronutrient whereas Sl.No. 109A of the said Notification inserted vide Notification No. 12/2016-CE dated 1.3.2016 specifies central excise duty at the rate of 6% on Micronutrients covered under serial number 1(f) of Schedule 1, Part (A) of the Fertilizer Control Order, 1985 and are manufactured by the manufacturers which are registered under the Fertilizer Control Order, 1985. I find that the department has neither challenged classification of the goods manufactured by the appellant nor disputed that Zinc Sulphate Monohydrate manufactured by the appellant is not of agricultural grade. The exemption from payment of central excise duty granted to agricultural grade Zinc Sulphate ordinarily used as Micronutrient has been granted under Sl.No. 103 of Notification No.



12/2012-CE dated 17.3.2012, since issuance of the said notification and has not been withdrawn even after insertion of SI.No. 109A vide Notification No. 12/2016-CE dated 1.3.2016. Hence, I am of the considered view that the appellant is eligible for exemption from payment of central excise duty and therefore, the demand of central excise duty is legally unsustainable and benefit of exemption from payment of central excise duty under SI.No. 103 of Notification No. 12/2012-CE dated 17.3.2012 cannot be denied to the appellant. It is settled legal position that that when there are two entries in the exemption notification, the manufacturer/importer is entitled to the benefit of exemption as held by the Hon'ble Supreme Court in the cases of HCL Limited v. Collector of Customs, New Delhi - 2001 (130) E.L.T. 405 (S.C.) and Share Medical Care v. Union of India - 2007 (209) E.L.T. 321 (S.C.). Hence, I set aside the impugned order confirming demand of central excise duty. Since demand is not sustainable, the appellant is not liable to pay interest and no penalty under Section 11AC of the Act is imposable on the appellant.

8. In view of above, I set aside the impugned order and allow the appeal.

९. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

9. The appeal filed by the appellant is disposed off in above terms.

[Handwritten Signature]
18/11/2019

[Handwritten Signature]
18/11/2019

(कुमार संतोष)

प्रधान आयुक्त (अपील्स)

By Speed Post

To,

M/s. Indian Farmer Fertilizer Co-operative Limited,
Old Kandla,
Kandla Port,
District – Kutch - 370201, Gujarat

मेसर्स इंडियन फार्मर फर्टिलाइजर्स को-ओपरेटिव लिमिटेड,
ओल्ड कांडला,
कांडला पोर्ट,
डिस्ट्रिक्ट - कच्छ - ३७०२०१ गुजरात

प्रति:

- (1) प्रधान मुख्य आयुक्त, केन्द्रीय वस्तु व सेवा कर, अहमदाबाद क्षेत्र, अहमदाबाद को जानकारी हेतु।
- (2) आयुक्त, केन्द्रीय वस्तु व सेवा कर, गांधीधाम को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- (3) सहायक आयुक्त, केन्द्रीय वस्तु व सेवा कर मण्डल, अंजार-भचाउ को आवश्यक कार्यवाही हेतु।

(4) गार्ड फ़ाइल



